श्रीनगर
SRINAGAR
OFFICE OF THE PROGRAMME COORDINATOR
NATIONAL SERVICE SCHEME (NSS)
(MINISTERY OF YOUTH AFFAIRS & SPORTS, GOVRNMENT OF INDIA)
UNIVERSITY OF KASHMIR
SRINAGAR
(NAAC ACCREDITED GRADE "A")
NOT ME BUT YOU

विख्यात शिक्षाविद् डॉ. एमके सहगल ने स्वयंसेवकों को दिया कठिनाईयों को अवसर में बदलने का संदेश

जगाधरी। सेंट लारेंस इंटरनेशनल स्कूल, व्यासपुर में आयोजित 7 दिवसीय राष्ट्रीय एकता शिविर के चौथे दिन की शुरूआत प्रातः योगाभ्यास से हुई। प्रशिक्षकों ने विभिन्न आसनों का अभ्यास कराया और बताया कि योग न केवल शरीर को स्वस्थ बनाता है बल्कि मन को शांत, विचारों को स्पष्ट और जीवन को अनुशासित भी करता है। स्वयंसेवकों ने योग से मिली ताजगी और सकारात्मक ऊर्जा को महसूस किया। इसके पश्चात एक सत्र की जिम्मेदारी स्वयंसेवकों को सौंपी गई। उन्होंने सत्र का सफलतापूर्वक संचालन किया और सभी गतिविधियों का सुचारु रूप से निर्वाह किया। स्वयंसेवकों ने अनुभव साझा किया कि इस जिम्मेदारी ने उनके अंदर आत्मविश्वास और नेतृत्व क्षमता को और मजबूत किया। सभी के आग्रह पर प्रख्यात शिक्षाविद् और प्रबंधन विशेषज्ञ डॉ. एम. के. सहगल ने अपने जीवन के संघर्ष और उपलब्धियों की प्रेरक कहानी साझा की। यमुनानगर के एक छोटे से परिवार में जन्मे डॉ. सहगल ने प्रारंभिक जीवन में अनेक कठिनाइयों का सामना किया। उन्होंने बताया कि उनके जीवन की यही चुनौतियाँ ही उन्हें आज के अनुशासन, समय-प्रबंधन और कड़ी मेहनत के मूल्यों तक ले गई। अपने अनुभव साझा करते हुए डॉ. सहगल ने कहा, ह्लमंज़िलें उन्हीं को मिलती हैं जिनके सपनों में जान होती है, पंख से कुछ नहीं होता, हौसलों से उड़ान होती है ह्व उन्होंने छात्रों और स्वयंसेवकों को यह संदेश दिया कि शिक्षा और सामाजिक कार्यों के प्रति पूर्ण समर्पण ही व्यक्ति को उच्चतम पदों तक ले जा सकता है। उन्होंने युवाओं को प्रेरित करते हुए कहा कि कठिनाइयों का सामना करते हुए भी मेहनत, ईमानदारी और दृढ़ निश्चय से आगे बढ़ना सफलता की कुंजी है। उन्होंने अपने व्यक्तिगत अनुभवों और उपलब्धियों के उदाहरण देकर स्पष्ट किया कि प्रत्येक चुनौती, यदि दृढ़ता और आत्मविश्वास के साथ स्वीकार की जाए, तो अवसर में बदल सकती है। इस प्रेरक संदेश ने उपस्थित सभी छात्रों, स्वयंसेवकों और शिक्षकों को उत्साह और आत्मविश्वास से भर दिया, और यह साबित किया कि कठिनाइयाँ केवल सीखने और उन्नति का मार्ग बन सकती हैं।

आज समाज

St. LAWRENCE
यमुनानगर में
हरियाणा में थारा
GUJARAT
National
HIMACHAL
PARDESH
UTTARAKHAND

महर्षि दयानन्द सरस्वती परिसर

राष्ट्रीय एकता शिविर
यमुनानगर में आपका हार्दिक
अरे के देखै है।

St. LAWRENCE SMART CONVENT SCHOOL, BILASPUR
Service To Society Is Service To God
But You